www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 कृष्णा अल्लावरु को हटा कर क्या राहुल...

3 विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने करोड़ों रुपए...

4 हिसार में मनाया गया संत नामदेव जी महाराज...

वर्ष: 10 | अंक: 3 | दिल्ली, सोमवार, 27 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हवाई अड्डे के टी1, टी3 के बीच आसान संपर्क के लिए बनेगा नया मेट्रो स्टेशन: अधिकारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 और टर्मिनल-3 के बीच बेहतर संपर्क के लिए एक नया मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। देश के सबसे व्यस्त दिल्ली हवाई अड्डे के तीन टर्मिनलों में से टर्मिनल-2 और टर्मिनल-3 एक-दूसरे के करीब हैं, जबकि टर्मिनल-1 कुछ किलोमीटर दूर है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदेह कुमार जयपुरियार ने पीटीआई- को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि एरोसिटी और टी-1 के बीच संपर्क प्रदान करने के लिए नया एकीकृत स्टेशन बनाने की योजना है। उन्होंने बताया, पहले गोल्डन लाइन सिर्फ एरोसिटी तक ही आनी थी। हमने दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) को मना लिया है कि इसे टी-1 तक बढ़ाया जाए। इस तरह, यह मेट्रो लाइन टी-1 से एरोसिटी तक जाएगी, और एरोसिटी से पहले से मौजूद एयरपोर्ट लाइन हमें आगे ले जाएगी। जयपुरियार के अनुसार, एरोसिटी में एक एकीकृत स्टेशन बनाने के प्रयास जारी हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां पहले से ही एयरपोर्ट मेट्रो लाइन से संपर्क है, और अब गोल्डन लाइन पर नया मेट्रो स्टेशन भी बनेगा।

कर्नाटक के बीदर में भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया

कर्नाटक (एजेन्सी)। कर्नाटक के बीदर जिले में रविवार की सुबह भूकंप का हलका झटका महसूस किया गया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 मापी गयी। राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने इसकी जानकारी दी। भूकंप का यह झटका सुबह 3.42 बजे महसूस किया गया। इसका केंद्र चिट्टगुप्पा तालुक के भास्करनगर गांव से 2.4 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। केएसएनडीएमसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है, किसी नुकसान की सूचना नहीं है और निवासियों को घबराने की जरूरत नहीं है। भास्करनगर और आसपास के इलाकों के ग्रामीणों ने हल्के भूकंप की सूचना दी, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ।

भव्य और सुरक्षित छठ पूजा के लिए दिल्ली के घाट तैयार: कपिल मिश्रा

इस बार की छठ पूजा को ऐतिहासिक बनाने का दिल्ली सरकार ने लिया संकल्प: कपिल मिश्रा

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। छठ पर्व को लेकर राजधानी दिल्ली में माहौल उत्सवमय है। श्रद्धालु व्रतधारी घाटों पर तैयारियों में जुटे हैं, वहीं दिल्ली सरकार भी इस पवित्र पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और भव्य बनाने के लिए पूरी क्षमता से कार्य कर रही है। इसी क्रम में मंत्री कपिल मिश्रा ने राजधानी के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्री मिश्रा ने मयूर विहार घाट, अशोक नगर, कोंडली, त्रिलोक पुरी में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा जी के साथ घाटों की व्यवस्था का निरीक्षण किया, उसके बाद वासुदेव घाट पहुंचे जहां मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में अधिकारियों के साथ सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, टेंट, जलस्तर और यातायात प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने सोनिया विहार समेत कई अन्य घाटों का भी दौरा किया।

श्री मिश्रा ने कहा कि इस बार दिल्ली में छठ पूजा को लेकर अद्भुत उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने इस वर्ष लगभग 1300 से अधिक छठ घाटों पर सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की हैं। प्रशासन, निगम, जल बोर्ड, पुलिस और स्वच्छता विभाग के अधिकारी लगातार घाटों पर डटे हुए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

मंत्री मिश्रा ने आगे कहा कि दिल्ली सरकार ने इस बार विशेष रूप से यमुना तटों की सफाई और घाटों के सौंदर्यीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। हर घाट पर रोशनी, सुरक्षा और जल निकासी की व्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल टीमें भी तैनात की गई हैं। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय पार्षद, अधिकारी और स्वयंसेवी संगठन भी मौजूद रहे।

श्री मिश्रा ने स्वयं घाटों पर जाकर सफाई कार्य और टेंट की व्यवस्था की गुणवत्ता परखने के साथ श्रद्धालुओं से बातचीत की और उनकी सुविधाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात श्री कपिल मिश्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कई वर्षों तक यमुना तट पर छठ पूजा पर पिछली सरकार ने प्रतिबंध लगाया हुआ था। जो लोग पूजा करने जाते थे, उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए जाते थे। आज वह समय बदल चुका है। इस बार यमुना मइया के तट पर भव्य छठ पूजा हो रही है। यह न सिर्फ श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यमुना की स्वच्छता और घाटों में हुए सकारात्मक परिवर्तन का भी प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में इस बार छठ पूजा ऐतिहासिक स्तर पर आयोजित हो रही है। आम आदमी पार्टी आज यमुना की सफाई को लेकर प्रदर्शन कर रही है, जबकि 11 साल तक सरकार उन्हीं की थी। हमें तो मात्र 7 महीने हुए हैं, लेकिन जो काम वे 11 साल में नहीं कर पाए, वो हमने इस छोटे से समय में करके दिखा दिया। आज यमुना किनारों पर बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। यह बदलाव दिल्ली के लोगों की आस्था और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य सेवा होना चाहिए। आज जब पूरा प्रशासन और जनसमुदाय छठ पर्व की तैयारी में लगा है, तब विरोध के नाम पर नकारात्मक राजनीति करना उचित नहीं है। ऐसे समय में सभी नेताओं को व्रतधारियों और श्रद्धालुओं की सेवा में हाथ बढ़ाना चाहिए।

अंत में श्री मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पूरी तत्परता के साथ इस बार की छठ पूजा को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया है। हमारा प्रयास है कि हर श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपनी आस्था के इस सबसे बड़े पर्व को मने। यह दिल्ली की एकता, विविधता और संस्कृति का उत्सव है।

छठ घाट पर दीप प्रज्जवलन करते हुए दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह। (छाया: संजना भारती)

कोरापुट की कॉफी सचमुच स्वादिष्ट, ओडिशा का गौरव है: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कोरापुट की कॉफी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गर्म पेय पदार्थ वास्तव में स्वादिष्ट है और ओडिशा का गौरव है। मोदी ने मन की बात में कहा, चाय के साथ मेरा जुड़ाव तो आप सभी जानते ही हैं, लेकिन आज मैंने सोचा कि मन की बात में क्यों न कॉफी पर चर्चा की जाए। आपको याद होगा, बीते साल मैने मन की बात में अराकू कॉफी पर बात की थी। मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले ओडिशा के कई लोगों ने उनसे कोरापुट कॉफी को लेकर भी अपनी भावनाएं साझा की थीं। उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि मन की बात में कोरापुट कॉफी पर भी चर्चा की जाए। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद गजब होता है, और इतना ही नहीं, स्वाद तो स्वाद, कॉफी की खेती भी लोगों को फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि कोरापुट में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने जुनून की वजह से कॉफी की खेती कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि वे लोग अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन वो कॉफी को इतना पसंद करते हैं कि इस क्षेत्र में लग गए और अब सफलता से इसमें काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसी कई महिलाएं भी हैं, जिनके जीवन में कॉफी से सुखद बदलाव हुआ है।

गढ़मुक्तेश्वर मेला बनेगा श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता का प्रतीक : सीएम योगी

मिनी कुम्भ के रूप में आयोजित होगा गढ़मुक्तेश्वर मेला

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ/गढ़मुक्तेश्वर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर में लगने वाले वार्षिक कार्तिक पूर्णिमा मेले और अमरोहा के तिगरी मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया और सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेला स्थल का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर हर वर्ष लगभग 40 से 45 लाख श्रद्धालु गंगा तट पर स्नान और दीपदान के लिए पहुँचते हैं, इसलिए सभी व्यवस्थाएँ समयबद्ध और समन्वित हों ताकि किसी को असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बता दें कि इस वर्ष 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक चलने वाले इस मेले को मिनी कुंभ के रूप में आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। गंगा घाटों पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती, सीसीटीवी व ड्रोन निगरानी, रेस्क्यू बोट और हेल्पलाइन सेंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मेले को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश से जोड़ा जाए तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि घाटों पर पर्याप्त चेकर प्लेट लगाई जाएं, पैंटून ब्रिज की व्यवहार्यता का परीक्षण किया जाए और कटान क्षेत्रों में सिंचाई विभाग द्वारा ड्रेजिंग कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान गहराई वाले जल क्षेत्रों में एनडीआरएफ/ एसडीआरएफ और फ्लड यूनिट लगातार सतर्क रहें और आवश्यक बैरिकेडिंग की जाए। श्रद्धालुओं को अनुशासित व्यवहार हेतु प्रेरित करने के लिए काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएं। पूरे मेले क्षेत्र में सीसीटीवी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और इंटीग्रेटेड कंट्रोल सेंटर की सतत निगरानी सक्रिय रहे। पार्किंग स्थलों पर वाहनों की सुरक्षा, प्रसारण व्यवस्था और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अस्थायी शौचालयों में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की प्रणाली लागू की जाए और किसी भी प्रकार की लीकेज को रोका जाए। घाटों पर भीड़ नियमन, चेंजिंग रूम, स्वच्छ शौचालय, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, और कचरा एवं बोतल संग्रहण प्रणाली को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति और सभी स्थलों पर इलेक्ट्रिक सेफ्टी का ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में आकर्षक सजावट की जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु होर्डिंग्स लगाई जाएं। साथ ही फायर सेफ्टी सिस्टम, अस्थायी अस्पताल, एंटी-स्नेक वैनम और एंटी-रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जल में स्नान के दौरान पुलिस और एनडीआरएफ की पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, और 20 से 25 किलोमीटर के दायरे में यातायात डायवर्जन योजना प्रभावी रूप से लागू की जाए ताकि किसी प्रकार का जाम न लगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं से कोई अतिरिक्त शुल्क न वसूला जाए और पशुओं के चारे तथा भोजन-पेयजल की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ड्यूटी पर तैनात स्वयंसेवकों के खान-पान की उचित व्यवस्था की जाए और सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि गढ़मुक्तेश्वर का यह ऐतिहासिक मेला न केवल आस्था का केंद्र बने, बल्कि व्यवस्था, स्वच्छता और अनुशासन का आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर का यह आयोजन उत्तर प्रदेश की आस्था, अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है।

सरकार का लक्ष्य है कि यह मेला श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता के साथ सम्पन्न हो, ताकि हर आगंतुक इस पावन तीर्थ से शांति और आशीर्वाद लेकर लौटे।

डिजिटल कनेक्टिविटी का नया मानक बनेगा जेवर एयरपोर्ट

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का नया मानक स्थापित करने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप बनकर तैयार हुआ यह एयरपोर्ट जल्द ही अपनी सेवाएं शुरू कर देगा। यह न केवल देश का सबसे आधुनिक हवाई अड्डा होगा, बल्कि फ्यूचर-रेडी टेक्नोलॉजी सिस्टम से सुसज्जित डिजिटल कनेक्टिविटी का केंद्र भी बनेगा। यह एयरपोर्ट ड्यूल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क से लैस होगा, जिससे डेटा कनेक्टिविटी पूरी तरह निर्बाध और सुरक्षित रहेगी। दो स्वतंत्र डेटा सेंटर अलग-अलग स्थानों पर स्थापित किए जा रहे हैं। संपूर्ण एयरपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर एकीकृत नेटवर्क से जुड़ा होगा। एयरपोर्ट परिसर में वीडियो सर्विलांस सिस्टम लगाया जा रहा है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब सिर्फ उड़ानों का नहीं, बल्कि डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के नए युग का प्रतीक बनने जा रहा है।

यह एयरपोर्ट किसी पारंपरिक हवाई अड्डे की तरह नहीं, बल्कि एक स्मार्ट, फ्यूचर-रेडी डिजिटल नेटवर्क के रूप में आकार ले रहा है। यहां ड्यूल फाइबर ऑप्टिक कनेक्टिविटी होगी-दो स्वतंत्र नेटवर्क, जो सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी तकनीकी अड़चन के बावजूद डेटा प्रवाह कभी न रुके। दो अलग-अलग स्थानों पर बनाए जा रहे स्वतंत्र डेटा सेंटर पूरे सिस्टम का डिजिटल हृदय होंगे। इनकी मदद से टर्मिनल से लेकर रनवे, पार्किंग से लेकर सुरक्षा तंत्र सब कुछ एकीकृत नेटवर्क से जुड़ा रहेगा। हर गतिविधि, हर मूवमेंट, हर सूचना रियल टाइम में मॉनिटर और नियंत्रित होगी। एयरपोर्ट की दीवारों के पीछे एक और अदृश्य व्यवस्था होगी-वीडियो सर्विलांस सिस्टम। यह सिस्टम एयरपोर्ट के हर कोने पर नजर रखेगा। आगमन और प्रस्थान मार्गों पर लगे लाइसेंस प्लेट रिकग्निशन और ड्राइवर इमेजिंग कैमरे वाहनों की स्मार्ट ट्रैकिंग करेंगे, जिससे सुरक्षा और सुविधा दोनों बढ़ेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डिजिटल विजन के अनुरूप, एयरपोर्ट में तीन प्रमुख डिजिटल कंट्रोल हब तैयार किए गए हैं। पहला एयरपोर्ट ऑपरेशंस सेंटर जो पूरे एयरपोर्ट का मस्तिष्क होगा, जहां से हर गतिविधि का रियल-टाइम कंट्रोल होगा। दूसरा, सिक्योरिटी ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर जो एयरपोर्ट की सुरक्षा पर निरंतर नजर रखेगा। और तीसरा, एयरपोर्ट इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर यह किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। डिजिटल कनेक्टिविटी के स्तर पर जेवर एयरपोर्ट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वायरलेस नेटवर्क कवरेज पूरे एयरपोर्ट परिसर, रनवे और रिमोट स्टैंड्स तक विस्तृत रहेगा। यात्रियों और स्टाफ के लिए स्मार्ट डिजिटल एक्सेस और रियल-टाइम सूचना प्रणाली भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के तहत इस एयरपोर्ट को टेक्नोलॉजी-ड्रिवन इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो न केवल आज की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि भविष्य की एआई आधारित सुरक्षा और स्वचालित संचालन प्रणाली का भी समर्थन करेगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को डिजिटल एविएशन नेटवर्क का प्रमुख केंद्र बनाएगी।

छठ घाटों पर सूर्य को अर्घ्य देने के लिये तैयारियां पूरी

पिछली सरकार में श्रद्धालुओं पर होते थे केस, अब बरसते हैं फूल: रविन्द्र इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। छठ महापर्व के दूसरे दिन समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने श्रद्धालुओं को खरना की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सोमवार और मंगलवार को सूर्य भगवान को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और सुविधा के अनुरूप की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया।

श्री इन्द्राज ने रोहिणी सेक्टर 24, 25 और 26 स्थित छठ घाट एवं पंसाली छठ घाट का निरीक्षण किया। साथ ही बवाना के जे जे कॉलोनी ए ब्लॉक, एफ ब्लॉक, जी ब्लॉक एवं एल ब्लॉक घाट, जैन कॉलोनी घाट, शाहबाद डेयरी स्थित पंच मंदिर घाट में सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छठ महापर्व पर पहली बार घाटों पर इतनी उत्कृष्ट व्यवस्था देखने को मिली है। श्रद्धालुओं ने घाटों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए व्यवस्था में लगे कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छता की शपथ भी ली।

श्रद्धालुओं और घाटों में नियुक्त स्टाफ ने ली स्वच्छता की शपथ

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि राजधानी वासियों के सहयोग से छठ पर्व को स्वच्छता, संस्कृति और सुशासन का पर्व बनाएंगे। श्री इन्द्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार लोकआस्था के सम्मान को समर्पित है। कांवड़ यात्रा, नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के भव्य आयोजन के बाद अब छठ महापर्व का भव्य आयोजन हो रहा है।

श्री इन्द्राज ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगा था और पूजा करने वालों के खिलाफ मुकदमे होते थे। अब सरकार ने प्रतिबन्ध भी हटाया है, मुकदमे भी वापस लिये जा रहे हैं और कांवड़ यात्रियों की तरह छठ घाट पर आये श्रद्धालुओं पर फूल भी बरसाये जाएंगे।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि इस वर्ष यमुना तट के अलावा दिल्ली में करीब 1300 अन्य स्थलों पर छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। घाटों पर टेंट, बिजली, स्वच्छता, पेयजल, मोबाइल शौचालय, सफाईकर्मी और चिकित्सा वैन की व्यवस्था है।

हर नागरिक को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा दिलाना डबल इंजन सरकार का लक्ष्य: योगी आदित्यनाथ

संजना भारती संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में स्थापित यशोदा मेडिसिटी इसका सशक्त उदाहरण है। यह केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की नई परिभाषा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से न केवल एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों को अब दिल्ली में महंगे इलाज के लिए भटकने की जरूरत नहीं, क्योंकि गाजियाबाद में ही वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर उपलब्ध हो गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में जब उत्तर प्रदेश में थर्ड ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित हुई थी, उस समय डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एमओयू किया था कि गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के नाम से अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करेंगे। इसमें सभी प्रकार की सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं होंगी और विशेष रूप से कैंसर की अत्याधुनिक सुविधा भी, जिसके लिए पहले लोगों को विदेश जाना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब यह विश्वास नहीं होता था कि इतनी जल्दी यह संभव होगा, लेकिन डॉक्टर पी.एन. अरोड़ा, डॉक्टर उपासना अरोड़ा और उनकी पूरी टीम ने मात्र तीन वर्षों में इसे साकार कर दिखाया। यह इन्वेस्टमेंट भी है और 5000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार का माध्यम भी। इस अस्पताल में डॉक्टर, पैरामेडिक्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य हेल्थकेयर से जुड़े 5000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है।

सम्पादकीय

नफरत की आग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी से असहमत देश के हर व्यक्ति को पाकिस्तान भिजवाने वाले 'विभाग' के अघोषित प्रभारी केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने देश के मुसलमानों को 'नमक हराम' बतलाते हुए कहा है कि 'उनकी पार्टी को ऐसे नमक हरामों के वोट नहीं चाहिए। भारत में नफरत की ये लपटें अब विदेशों में पहुंच गई हैं। हाल ही में बिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने एक मौलवी से अपनी कथित बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, 'मैंने एक मौलवी साहब से पूछा कि क्या आपको आयुष्मान भारत कार्ड मिला? उन्होंने कहा-हां मिला। मैंने पूछा कि क्या उसमें हिंदू-मुसलमान हुआ? उन्होंने कहा-नहीं। मैंने कहा कि अच्छी बात है। फिर मैंने पूछा कि क्या आपने भाजपा को वोट दिया? उन्होंने कहा- हां। लेकिन जब मैंने कहा कि खुदा की कसम खाकर बताएं तो उन्होंने कहा कि नहीं दिया।" इतना बताने के बाद गिरिराज सिंह ने कहा, 'मुस्लिम समुदाय केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लेने के बावजूद भाजपा को वोट नहीं देता है। जो किसी के उपकार को नहीं माने, उसे 'नमक हराम' कहा जाता है। बिहार में एनडीए सरकार के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि सड़कें, अस्पताल, बिजली, पानी सहित सभी सुविधाओं का मुसलमान उपयोग करते हैं, लेकिन फिर भी वे भाजपा का समर्थन नहीं करते हैं।" गिरिराज सिंह के इस बेहद आपत्तिजनक बयान से भाजपा ने अभी तक अपने को अलग करते हुए इसे गिरिराज सिंह की निजी राय नहीं बताया है। किसी और समुदाय या जाति को लेकर भाजपा के किसी नेता ने ऐसा बयान दिया होता तो भाजपा उससे पल्ला झाड़ने में जरा भी देर नहीं करती। भाजपा गिरिराज के बयान से पल्ला इसलिए भी नहीं झाड़ सकती, क्योंकि जो उन्होंने कहा है, वह पार्टी का मूल स्वर है। खुद प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के बयान हर चुनाव के दौरान देते हैं। मिसाल के तौर पर 2024 के लोकसभा चुनाव में ही राजस्थान की एक रैली में मोदी ने कांग्रेस पर मनगढंत आरोप लगाते हुए कहा था, 'जब कांग्रेस सत्ता में थी तो कहती थी कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है। इसका मतलब है कि अगर वे (कांग्रेस) सत्ता में आ गए तो आपकी मेहनत की कमाई उन घुसपैठियों को देंगे जो अधिक बच्चे पैदा करते हैं। क्या आपकी संपत्ति घुसपैठियों को दी जानी चाहिए?" इसी तरह दिसंबर, 2019 में झारखंड की एक चुनावी रैली में मोदी ने कहा था कि, 'प्रदर्शनों के दौरान हिंसा करने वालों को उनके 'कपड़ों' से पहचाना जा सकता है। 'उनकी यह टिप्पणी मुस्लिम समुदाय पर थी, क्योंकि नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर को लेकर विरोध प्रदर्शनों में कई मुस्लिम छात्र और महिलाएं भी शामिल थीं। ऐसे पचासों उदाहरण हैं जिनमें मोदी ने नफरत फैलाने वाले विभाजनकारी बयान दिए हैं। इसलिए गिरिराज सिंह के बयान पर भाजपा की चुप्पी स्वाभाविक है और इसीलिए उनके बयान को भाजपा का आधिकारिक बयान माना जा सकता है। चूंकि गिरिराज सिंह केंद्र सरकार में मंत्री हैं, इसलिए मंत्रिपरिषद के सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत के मुताबिक उनका बयान केंद्र सरकार का भी आधिकारिक बयान माना जाना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखिया मोहन भागवत हाल के दिनों में कई बार सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि हिंदू और मुसलमान का डीएनए एक ही है और मुसलमान भी समान रूप से भारत के नागरिक हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि जो मुसलमानों से नफरत करता है वह सच्चा हिंदू नहीं हो सकता। उनकी ओर से भी अपने निष्ठावान स्वयंसेवक गिरिराज सिंह के बयान से असहमति जताने वाली कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जाहिर है कि आरएसएस भी गिरिराज सिंह के बयान से सहमत है और मोहन भागवत जो कुछ कहते हैं वह उनके पाखंड के अलावा कुछ नहीं है। जहां तक चुनाव आयोग की बात है, एक समय था जब चुनाव आयोग ऐसे बयानों का संज्ञान लेता था और कार्रवाई भी करता था लेकिन पिछले कुछ सालों से चुनाव आयोग ऐसे बयानों पर खामोश रहते हुए सत्ताधारी पार्टी के गठबंधन के सदस्य की तौर पर काम करता नजर आता है। मुख्य चुनाव आयुक्त के सारे बयान भी किसी राजनेता की तरह होते हैं। इसीलिए चुनाव आयोग के किसी भी कामकाज पर उठने वाले किसी भी सवाल पर सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ता उसका बचाव करने मैदान में आ जाते हैं। बहरहाल सवाल है कि अगर गिरिराज सिंह के मुताबिक मुसलमान भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के बावजूद भाजपा को वोट नहीं देते हैं, इसलिए वे 'नमक हराम' हैं तो फिर इस आधार पर तो भाजपा की नजरों में कर्नाटक के अलावा पूरा दक्षिण भारत नमक हराम है, क्योंकि वहां के लोग भी भाजपा को वोट नहीं देते हैं। इसी आधार पर पश्चिम बंगाल के भी आधे से कहीं ज्यादा हिंदुओं को भाजपा नमक हराम ही मानेगी, क्योंकि वे भी भाजपा को वोट नहीं देते हैं।

जयंती

के. आर. नारायणन

जन्म-27 अक्टूबर, 1920; मृत्यु-9 नवम्बर, 2005) भारतीय गणराज्य के दसवें निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में जाने जाते हैं। यह प्रथम दलित राष्ट्रपति तथा प्रथम मलयाली व्यक्ति थे, जिन्हें देश का सर्वोच्च पद प्राप्त हुआ। इन्हें 14 जुलाई, 1997 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में विजय प्राप्त हुई थी। श्री के. आर. नारायणन को कुल मतों का 95 प्रतिशत प्राप्त हुआ। मतगणना का कार्य 17 जुलाई, 1997 को सम्पन्न हुआ। भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त श्री टी. एन. शेषन इनके प्रतिद्वन्द्वी थे। 25 जुलाई, 1997 को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जे. एस. वर्मा ने श्री के. आर. नारायणन को राष्ट्रपति पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनका कार्यकाल 25 जुलाई, 2002 को समाप्त हुआ था।

पुण्यतिथि

प्रदीप कुमार

जन्म: 4 जनवरी, 1925; मृत्यु: 27 अक्टूबर, 2001) हिन्दी एवं बंगाली फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता थे। हिन्दी सिनेमा में उनको ऐसे अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने 1950 और 60 के दशक में अपने ऐतिहासिक किरदारों के जरिये दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उस जमाने में फिल्मकारों को अपनी फि ल्मों के लिए जब भी किसी राजा, महाराजा, राजकुमार अथवा नवाब की भूमिका की जरूरत होती थी तो वह प्रदीप कुमार को याद किया जाता था। उनके उत्कृष्ट अभिनय से सजी 'अनारकली', 'ताजमहल', 'बहू बेगम' और 'चित्रलेखा' जैसी फिल्मों को दर्शक आज भी नहीं भूले हैं।

कल मिलेंगे

लड़की-क्या तुम प्यार में ताजमहल बनवा सकते हो?
पप्पू-प्यार में ताजमहल बनवाना जरुरी नहीं है,
आप शॉपिंग करवा कर भी अपनी मुमताज को खुश रख सकते हैं
पप्पू की बात सुनकर लड़की की बोलती हो गई बंद...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

कृष्णा अल्लावरु को हटा कर क्या राहुल गांधी ने फिर से बड़ी गलती कर दी?

पटना में हुए राजनीतिक घटनाक्रम और अल्लावरु की विदाई ने एक बार फिर से राहुल गांधी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए है। गठबंधन को बचाने के लिए अशोक गहलोत जैसे बुजुर्ग नेता को भेजकर जाने-अनजाने कांग्रेस की बुजुर्ग ब्रिगेड ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि संकट की घड़ी में राहुल गांधी की युवा टीम हमेशा फेल हो जाती है

-संतोष कुमार पाठक

बिहार में लंबे समय तक चले राजनीतिक बवाल के बाद आखिरकार कांग्रेस ने औपचारिक रूप से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। लेकिन इस बात का औपचारिक ऐलान कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने या राहुल गांधी ने नहीं किया। यहां तक कि राहुल गांधी के करीबी एवं बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु या बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम से भी यह ऐलान नहीं करवाया गया। बल्कि तेजस्वी यादव को नेता मानने का ऐलान करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने पुरानी पीढ़ी के बुजुर्ग नेता अशोक गहलोत को बिहार की राजधानी पटना भेजा।

यहां तक तो कांग्रेस की रणनीति ठीक नजर आ रही है। गुरुवार को पटना में इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस हुई, जिसमें अशोक गहलोत ने खुलकर तेजस्वी यादव को इंडिया गठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित कर दिया। उसके बाद गहलोत और तेजस्वी, दोनों ने ही बीजेपी के स्टाइल में ही बीजेपी को घेरते हुए यह सवाल भी पूछ डाला कि अब एनडीए गठबंधन को यह बताना चाहिए कि उनका मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है? लेकिन इस संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के कुछ ही घंटे बाद कांग्रेस खेमे से आई एक बड़ी खबर ने सबको चौंका दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से जारी एक आधिकारिक पत्र के जरिए यह बताया गया कि, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से मनीष शर्मा को कांग्रेस के युवा विंग इंडियन यूथ कांग्रेस-IYC का प्रभारी नियुक्त कर दिया है। अर्थात कांग्रेस ने बिहार में पार्टी संगठन को फिर से खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कृष्णा अल्लावरु को यूथ कांग्रेस के प्रभारी पद से हटा कर मनीष शर्मा को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी है। हालांकि कृष्णा अल्लावरु को अभी भी बिहार कांग्रेस प्रभारी के पद से नहीं हटाया गया है लेकिन यूथ कांग्रेस के प्रभारी के पद से उनकी विदाई को लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी का परिणाम माना जा रहा है।

इससे पहले, गठबंधन में मामला बिगड़ जाने के बाद कांग्रेस पार्टी ने अशोक गहलोत को पटना भेजा। गहलोत, कृष्णा अल्लावरु के साथ ही बातचीत करने के लिए राबड़ी देवी के आवास पर गए। लेकिन बताया जा रहा है कि लालू यादव ने कृष्णा अल्लावरु को अपने कमरे में घुसने तक नहीं दिया। मुलाकात के बाद जो तस्वीरें निकल कर बाहर आई, उसमें भी लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव से अकेले अशोक गहलोत ही बात करते हुए नजर आ रहे हैं। संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में भी तेजस्वी यादव ने सबसे आखिर में कृष्णा अल्लावरु का नाम लेकर यह साबित कर दिया कि उनके मन में कितनी गहरी नाराजगी है।

पटना में हुए राजनीतिक घटनाक्रम और अल्लावरु की विदाई ने एक बार फिर से राहुल गांधी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए है। गठबंधन को बचाने के लिए अशोक गहलोत जैसे बुजुर्ग नेता को भेजकर जाने-अनजाने कांग्रेस की बुजुर्ग ब्रिगेड ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि संकट की घड़ी में राहुल गांधी की युवा टीम हमेशा फेल हो जाती है। इससे यह भी साबित होता हुआ नजर आता है कि राहुल गांधी आखिर तक अड़ कर अपने नेताओं को प्रोटेक्ट नहीं कर पाते हैं।

दरअसल, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस पार्टी को आज भी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन जिस उत्तर प्रदेश और बिहार के बल पर कांग्रेस ने कई दशकों तक देश पर राज किया है, उन दोनों ही राज्यों में पिछले कई दशकों से कांग्रेस मजबूत नहीं हो पा रही है। ऐसे में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को हराने के लिए सोनिया गांधी ने एक जमाने में यूपीए का गठन किया था और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 10 वर्षों तक सरकार भी चलाई थी। वर्ष 2014 में मनमोहन सरकार की विदाई और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कांग्रेस लगातार हार रही है। वर्ष 2024 में हुए लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने विपक्षी दलों को साथ लेकर इंडिया गठबंधन बनाया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटों पर तो जीत दर्ज की है लेकिन साथ ही उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बल पर बीजेपी को 240 पर रोकने में भी कामयाब हो गए। हालांकि इसके बावजूद भी कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक पाई।

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया कि केंद्र की सत्ता में आने के लिए कांग्रेस को कम से कम अकेले 130 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करनी ही होगी और इतनी सीटें उत्तर प्रदेश-बिहार के बिना ला पाना कांग्रेस के लिए संभव नहीं है। शायद इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जनवरी 2025 में राहुल गांधी बिहार गए थे और उसके बाद से ही वह लगातार बिहार जा रहे हैं। बिहार में कांग्रेस पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी को हटा कर अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को प्रदेश प्रभारी बनाया। आरजेडी समर्थक माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को हटा कर राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया।

राहुल गांधी के निर्देश के मुताबिक ही, कृष्णा अल्लावरु ने बिहार में कांग्रेस को आरजेडी की छाया से निकाल कर एक अलग पहचान दी। पत्रकारों द्वारा राजद की बी टीम होने के बारे में बार-बार पूछे गए सवालों के जवाब में सधे हुए अंदाज में यही कहते हुए नजर आए कि कांग्रेस बिहार में जनता की ए टीम बन कर काम करेगी। जाहिर सी बात है कि सिर्फ बिहार के बल पर अपनी राजनीति करने वाले आरजेडी को कांग्रेस की यह मजबूती भला क्यों पसंद आती? तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना गठबंधन के लिए जरूरी तो माना जा सकता है लेकिन मर्जी आलाकमान की और बात बिगड़ने पर कार्रवाई सिपाही के खिलाफ! ऐसा करके कांग्रेस ने एक बार फिर से बिहार में न केवल पुरानी कहानी दोहरा दी है बल्कि इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य क्षेत्रीय दलों के सामने भी अपनी कमजोरी जाहिर कर दी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

देसी दीपावली की जरूरत क्यों है?

कृत्रिम रंगों से रंगोली बनाएंगे तो उससे प्रदूषण होगा। अक्सर त्योहारों में रंगोली बनाई जाती है, दूसरे दिन उसे साफ कर दूसरी रंगोली बनाई जाती है। विशेषकर, दशहरा-दीवाली के दौरान घर-घर में यही देखा जाता है। यह रंगोली अगले दिन कचरे में जाती है। उसके जहरीले रंग मिट्टी, पानी में पहुंचकर प्रदूषण फैलाते हैं। यह कचरा संस्कृ ति है। इसमें हम कितनी सफाई करें, दूसरे दिन फिर कचरा पैदा हो जाता है

-बाबा मायाराम

हमारे अधिकांश त्योहार खेती-किसानी से जुड़े हैं। कृषि सभ्यता के प्रतीक माने जाते हैं। लेकिन आज के दौर में कृषि सभ्यता में ठहराव आ गया है। खेती के साथ पशुपालन भी जुड़ा था, खेतों की बैलों से जुताई होती थी, जिसमें अब ट्रेक्टर व हारवेस्टर के आने से इसमें कमी आई है। आज के कॉलम में इन त्योहारों की परंपरा को याद करना जरूरी है, जिससे हम त्योहारों की भाईचारा व जोड़ने वाली परंपराओं को समझ सकें।

हम बचपन से दीपावली के त्योहार को देखते आ रहे हैं। इसकी तैयारी बहुत पहले से की जाती थी। दूरदराज रहने वाले परिजन छुट्टी में घर आते थे। उमंग व उत्साह का माहौल होता था। घर की साफ-सफाई, रंगरोगन, लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा और अन्न (धन धान्य) की पूजा की जाती है। लेकिन अब इन त्योहारों पर बाजार का असर दिखाई देता है। आज रात-रात पर पटाखे फोड़े जाते हैं, उपहार दिए जाते हैं, घरों व सड़कों पर जगमग रंग-बिरंगे बल्बों से रोशनी की जाती है। इस सबमें त्योहार में जो उमंग व उत्साह होता था, पीछे छूटता जा रहा है।

पहले मिट्टी के दीये जलाए जाते थे। अब बिजली के बल्बों से रोशनी की जाती है। मिट्टी के दीये स्थानीय स्तर पर मिट्टी के बनाए जाते थे, जिन्हें बार-बार इस्तेमाल किया जा सकता है। मिट्टी अजर अमर है। अब इसकी जगह बिजली के बल्बों ने ले ली है। मोम के दीये भी आ गए हैं। लेकिन मिट्टी की जो खुशबू है, वह कहीं खो सी गई है। खेती के पशुपालन जुड़ा है। इस मौके पर गाय-बैल को नहलाया-धुलाया जाता था। बैलों के प्रति विशेष प्रेम तब दिखाई देता है जब उन्हें दीपावली पर रंग-बिरंगी फीते, गेंठा, मुछेड़ी, नाथ और पट्टों से सजाया जाता है। दीपावली के बाद मड़ई-मेलों में बैलगाड़ी से लोग सपरिवार जाते हैं। गाय की पूजा की जाती है। उन्हें अनाज खिलाया जाता है। यानी गाय-बैल को समान रूप से सम्मान मिलता था।

हमारे नर्मदांचल में दीपावली के अगले दिन गोधन बनाई जाती है। देसी बीजों के जानकार बाबूलाल दाहिया बताते हैं कि गो -धन का आशय सीधे गो वंश से था, कृषि आश्रित समाज में घर में जितना गोवंश उतनी अच्छी खेती और उतनी ही सम्पन्नता। पुरानी खेती-किसानी में रुपए-पैसे की पूंजी का कही कोई स्थान नहीं था। गाय बैल ही सम्पन्नता के परिचायक होते थे। अब रासायनिक खेती के दुष्परिणामों के मद्देनजर आज फिर किसान पुरानी पारंपरिक खेती को याद कर रहे हैं। बाबूलाल दाहिया बताते हैं कि 'हमारे सभी त्योहार खेती से जुड़े हैं। दीवाली भी इनमें से एक है। इसी समय खरीफ की फसलें पककर आने लगती हैं। खुशी व उल्लास का मौका होता है'। किसानों से ही अन्य जातियां जुड़ी हैं। इन सबको इनके काम, सामान व सेवाओं के बदले अनाज दिया जाता है, जिससे इनके घर में खुशियां आती हैं। वे आगे बताते हैं कि 'इस मौके पर गाय-बैल को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। हल-बक्खर जैसे कृषि-औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल पककर घर आ जाती है- ज्वार, मक्का, चावल और उड़द जैसी दालें। अरहर की फसल को छोड़कर, वह बाद में आती है, सब फसलें आ जाती हैं। पारंपरिक तौर पर होली का त्योहार प्राकृतिक रंगों से मनाते आ रहे हैं। जैसे पलाश के फूलों को उबाल कर रंग बनाया जाता था, जो काफी अच्छा रंग होता था। दीवाली में भी चौक इत्यादि आटे से बनाए जाते थे। मिट्टी के दीया जगमग करते थे। गोवर्धन पूजा के दौरान फू ल, पत्तियां व कई तरह के घास को पूजास्थल पर रखा जाता था। लेकिन अब कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल होता है। दीपावली पर रंगोली बनाई जाती है, उसमें कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल होता है।

कृत्रिम रंगों से रंगोली बनाएंगे तो उससे प्रदूषण होगा। अक्सर त्योहारों में रंगोली बनाई जाती है, दूसरे दिन उसे साफ कर दूसरी रंगोली बनाई जाती है। विशेषकर, दशहरा-दीवाली के दौरान घर-घर में यही देखा जाता है। यह रंगोली अगले दिन कचरे में जाती है। उसके जहरीले रंग मिट्टी, पानी में पहुंचकर प्रदूषण फैलाते हैं। यह कचरा संस्कृ ति है। इसमें हम कितनी सफाई करें, दूसरे दिन फिर कचरा पैदा हो जाता है। इसलिए हमें ऐसी जीवनशैली की जरूरत है, जिसमें कचरा पैदा ही न हो। यह संस्कृति पूर्व में गांव में देखी जाती थी। लम्बे अरसे से मनुष्य ऐसा करते आ रहे हैं। कई तरह के पेड़-पौधों, पत्तियों, फलों के रस से रंग बनाए जाते हैं। पौधों में रंग बनाने की विशेषता के साथ ही औषधीय गुण भी होते हैं, जिनका उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में होता रहा है। प्राकृतिक व जैविक रंगों की विशेषता यह है कि इनका रंग आसानी से धुल जाता है, जबकि ऑईल पेंट आसानी से साफ नहीं होता, और शरीर की त्वचा के लिए हानिकारक माना जाता है। इसके अलावा, पहले स्कूलों में लंबी छुट्टी (24 दिन की) हुआ करती थी, जिसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके मां-बाप के साथ खेतों के काम में मदद करते थे।

खेती के तौर-तरीकों सीखते थे, आसपास के पर्यावरण से परिचित होते थे। जमीनी हकीकत से जुड़ते थे। रिश्तेदारों के घर जाते थे। अब यह छुट्टी कम हो गई है। लेकिन अब यह लम्बी छुट्टी नहीं होती। शिक्षा से कृषि का जुड़ाव दिखाई नहीं देता है। हाथ से उत्पादन करके सीखने को प्रेरित नहीं किया जाता है। शिक्षा से श्रम का मूल्य गायब है, इसलिए नई पीढ़ी खेती से दूर होती जा रही है। हालांकि इसके और भी कारण हैं, पर यह भी कारण है। अब नई पीढ़ी की खेती में रूचि नहीं है। वे खेती नहीं करना चाहते। इसलिए खेती-किसानी अब पिछड़ती जा रही है। बाबूलाल दाहिया कहते हैं कि 'अब गांव, खेती, अनाज, लोक कला, संस्कृति पीछे होते जा रहे हैं। औद्योगिक सभ्यता आगे बढ़ रही है। एक दिवाली भागती हुई सभ्यता की प्रतीक बन गई है तो दूसरी दिवाली कृ षि सभ्यता मानो ठहर गई है। एक तरफ दिवाली में गगनचुंबी इमारतों में होने वाली दिवाली की पार्टियों का शोर है तो दूसरी तरफ दिवाली अब गांवों में उजड़ती दिख रही है, खेती और गांव उजड़ती हुई सभ्यता के प्रतीक बन रहे हैं।' कुल मिलाकर, हमें दीपावली के मौके पर पारंपरिक खेती को याद करना जरूरी है। देसी बीजों की हल-बैल की टिकाऊ खेती की आज पहले से ज्यादा जरूरत है। पशुपालन के साथ खेती होती थी। मनुष्य और गाय-बैल में मूक समझौता था। वे हमें दूध व गोबर देते थे। उनकी गोबर खाद से हमारे खेत उर्वरक होते थे। हम उन्हें फसलों के डंठल चराते थे। इस तरह एक चक्र बना रहता था। शिक्षा में भी श्रम का मूल्य का समावेश जरूरी है, जो कुछ हद तक पूर्व में था।

उत्पादन के साथ शिक्षा, जिसे गांधी ने नई तालीम कहा था, उसकी जरूरत है। इसके साथ ही सादगी व बिना प्रदूषण की दीपावली, जो हमारी परंपरा रही है, उसे कायम रखने की जरूरत है। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

पुतिन ने परमाणु इंजन वाली अनोखी क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की घोषणा की

(एजेन्सी)।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असीमित रेंज वाली अद्वितीय परमाणु ऊर्जा संचालित बुरेवेस्त्निक क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की रविवार को घोषणा की और सशस्त्र बलों को इसकी तैनाती के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने का आदेश दिया। पुतिन ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और अन्य सैन्य कमांडरों के साथ अपनी बैठक में उल्लेख किया कि हाल में परमाणु शक्तियों के अभ्यास के दौरान बुरेवेस्त्निक क्रूज मिसाइल 15 घंटे तक हवा में रही और उसने सफल परीक्षणों के दौरान 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की। इस बैठक का टेलीविजन का प्रसारण किया गया।

रूस के सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में पुतिन ने इससे पहले सुबह यूक्रेन में सैन्य अभियानों के संयुक्त स्टाफ का दौरा किया और चीफ जनरल स्टाफ जनरल वालेरी गेरासिमोव के नेतृत्व में बल कमांडरों के साथ बातचीत की। गेरासिमोव ने पुतिन को दो महत्वपूर्ण दिशाओं में 10,000 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों की घेराबंदी किए जाने के जानकारी दी। गेरासिमोव ने कहा, 31 बटालियन वाले यूक्रेनी सशस्त्र बलों के एक बड़े समूह को अवरुद्ध कर दिया गया है।

हार के बाद भी नहीं टूटी कमला हैरिस की उम्मीद

(एजेन्सी)।
अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर संकेत दिया है कि वह भविष्य में राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो सकती हैं, हालांकि उन्होंने इस संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों के कारण अन्य देशों से अमेरिका के रिश्तों में तनाव की खबरें हैं। शनिवार को बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में हैरिस ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में एक महिला अमेरिका की राष्ट्रपति बनेगी और यह वह खुद हो सकती हैं।

60 वर्षीय हैरिस ने कहा, 'मैंने अब तक हार नहीं मानी है।' उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि उन्हें भविष्य में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने 2028 में राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमाने के बारे में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है। हैरिस ने कहा, 'मैंने अपना पूरा करियर सेवाभाव से जिया है और यह मेरी रगों में बसा है। सेवा करने के कई तरीके हैं। मैंने कभी जनमत सर्वेक्षणों पर ध्यान नहीं दिया।'

पिछले हफ्ते एसोसिएटेड प्रेस को दिए साक्षात्कार में भी हैरिस ने स्पष्ट किया था कि उन्होंने 2028 में फिर से चुनाव लड़ने का विचार त्यागा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह खुद को डेमोक्रेटिक पार्टी की समर्पित नेता के रूप में देखती हैं और वर्तमान में पूरी शिद्दत से 2026 के मध्यावधि चुनाव की तैयारी कर रही हैं।

हैरिस ने हाल ही में अपनी पुस्तक '107 डेज' का विमोचन किया है। यह पुस्तक 2024 के डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन के दौड़ से बाहर होने के बाद उनकी जगह लेने के हैरिस के अनुभव पर केंद्रित है।

2024 के चुनाव में उन्हें आखिरकार रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से हार का सामना करना पड़ा था।

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में इंग्लैंड को चार विकेट से दी मात

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। माउंट माउंगानुई के बे ओवल स्टेडियम में रविवार को खेले गए पहले वनडे में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने बल्ले से तूफान मचा दिया। उन्होंने 135 रनों की विस्फोटक पारी खेली जिसमें 11 छक्के और 9 चौके शामिल रहे, लेकिन उनकी यह धांसू पारी भी इंग्लैंड को बचा नहीं सकी। न्यूजीलैंड ने 80 गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत दर्ज की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 35.2 ओवरों में 223 रनों पर ऑल आउट हो गई थी। इंग्लैंड की शुरूआत किसी बुरे सपने से कम नहीं थी। टीम का स्कोर दूसरे ओवर में ही 4/2 और फिर 56/6 हो गया। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए थे। बेन डकेट (2), जो रूट (2), जैकब बेथेल (2), जॉस बटलर (4) और सैम करन (6) सभी नाकाम रहे।

मुश्किल स्थिति में इंग्लैंड के कप्तान ब्रूक ने मोर्चा संभाला और कीवी गेंदबाजों की खबर लेनी शुरू की। ब्रूक ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई और शानदार अंदाज में पलटवार किया। उन्होंने सिर्फ गेंदों पर जवाबी हमला नहीं किया, बल्कि मैच को देखने वालों के दिलों पर भी छा गए। ब्रूक ने अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा। इसके अलावा यह उनका वनडे में सर्वाधिक स्कोर भी है। इस पारी के दौरान उन्होंने वनडे में अपने एक हजार रन भी पूरे किए और न्यूजीलैंड में सभी प्रारूपों में औसत 76 का रिकॉर्ड कायम किया। उनकी बल्लेबाजी ने इंग्लैंड को पूरी तरह ढहने से बचा लिया। उन्होंने जेमी ओवरटन (46) के साथ सातवें विकेट के लिए 87 रनों की साझेदारी की। बाद में ब्रूक ने और ल्यूक वुड (5) के साथ आखिरी विकेट के लिए 57 रन जोड़ टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरूआत भी डगमगा गई। केन विलियमसन सात महीने बाद लौटे और पहली गेंद पर भी आउट हो गए। टीम ने अपने तीन विकेट 24 रनों पर ही खो दिए थे। लेकिन डेरिल मितेल (78 नाबाद) और माइकल ब्रैसवेल (51) ने पांचवें विकेट के लिए 92 रन जोड़कर टीम को स्थिरता दी।

ब्रैसवेल को जो रूट ने स्लिप में 2 रन पर ड्रॉप किया जबकि मिचेल को 33 रन पर जीवनदान मिला। इसके बाद दोनों ने इंग्लैंड के गेंदबाजो को पूरी तरह थका दिया और टीम को आराम से जीत दिला दी।

ओडिशा ने 1.46 लाख करोड़ रुपये की 33 परियोजनाओं को मंजूरी दी

(एजेन्सी)।
ओडिशा सरकार ने शनिवार को 1.46 लाख करोड़ रुपये के 33 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिसमें अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की कोल-टू-केमिकल परियोजना भी शामिल है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) की बैठक और मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में एकल खिड़की मंजूरी समिति (एसएलडब्ल्यूसीए) की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। एचएलसीए ने 1,41,993.54 करोड़ रुपये के 12 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिससे 49,745 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जबकि एसएलडब्ल्यूसीए ने 4,019.53 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी, जिससे 16,590 रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना जताई जा रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि अदाणी एंटरप्राइज लिमिटेड सुंदरगढ़ जिले में 84,000 करोड़ रुपये के निवेश से कोल-टू-केमिकल संयंत्र स्थापित करेगी जिससे 36,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। ओडिशा में भाजपा सरकार के 500 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस मंजूरी बैठक में कुल 33 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा, ये 500 दिन एक आत्मविश्वासी, प्रगतिशील और निवेश के लिए तैयार ओडिशा को दशार्ते हैं। देश-विदेश के निवेशकों द्वारा दिखाया गया विश्वास हमारी नीतियों की मजबूती, शासन की गति और एक आत्मनिर्भर एवं विकसित राज्य के हमारे दृष्टिकोण को दशार्ता है।

अभिनेता सतीश शाह को दी गई नम आंखों से अंतिम विदाई

(एजेन्सी)। साराभाई वर्सेस साराभाई से मशहूर हुए दिग्गज अभिनेता सतीश शाह का शनिवार को मुंबई में किडनी फेल होने से निधन हो गया। अभिनेता 74 वर्ष के थे। सीनियर एक्टर सतीश शाह का शनिवार दोपहर निधन हुआ था। दिवंगत अभिनेता का अंतिम संस्कार आज मुंबई के विले पार्ले (पश्चिम) स्थित एस.वी. रोड स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर हो गया है। सतीश शाह का निधन किडनी फेल होने के कारण हुआ। घर पर उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उनका निधन हो गया।

सतीश शाह के अंतिम संस्कार में फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलेब्स शामिल हुए। बता दें कि, टीवी शो साराभाई वर्सेज साराभाई में उनके ऑनस्क्रीन बेटे रोसेश का किरादर निभाने वाले राजेश कुमार और अशोक पंडित ने उन्हें कंधा दिया है। पार्थिव शरीर को कंधा राजेश कुमार और अशोक पंडित ने दिया है। सतीश शाह का अंतिम संस्कार मुंबई के विले पार्ले वेस्ट में स्थित पवन हंस श्मशान में कई सेलेब्स पहुंचे है। सीनियर एक्टर नसीरुद्दीन शाह भी शाह के अंतिम संस्कार में पहुंचे हैं। इसके साथ ही फराह खान और सीनियर एक्टर टीकू तलसानिया भी अंतिम संस्कार में पहुंचे हैं। जैकी श्रॉफ, रुपाली गांगुली, एक्टर अली असगर, डायरेक्टर कुणाल कोहली और उनकी पत्नी पहुंची। इसके अलावा, तारक मेहता एक्टर दिलीप जोशी भी सतीश शाह को अंतिम विदाई देने पहुंचे। टीवी शो साराभाई वर्सेस सारा भाई में सतीश शाह के ऑनस्क्रीन बेटे बने सुमीत राघवन भी अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे।

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इन कार्यों में सीसी सड़क, नाला एवं सामुदायिक भवन निर्माण जैसी मूलभूत सुविधाएं शामिल हैं। इनसे स्थानीय नागरिकों को बरसात, पेयजल और आवागमन से जुड़ी परेशानियों से स्थायी राहत मिलेगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। सड़क निर्माण कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। इसमें वार्ड संख्या 03 के न्यू गीता कॉलोनी, आर.के.पुरम और विनायक विहार क्षेत्रों में कुल 92.55 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य होंगे। इसके अंतर्गत न्यू गीता कॉलोनी की गली संख्या 2 व 3 में 22.55 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण किया जाएगा। साथ ही, आर.के. पुरम की मुख्य सड़क एवं विभिन्न गलियों में 49 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़कें बनेंगी। इसी क्रम में विनायक विहार में 21 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण किया जाएगा ।

श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर शहर की सड़क कनेक्टिविटी लगातार बेहतर हो रही है। इसके लिए सैकड़ों करोड़ रुपए की लागत से अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की सड़कों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया गया है। इन सड़कों से आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर मोहल्ले और कॉलोनी तक पक्की सड़कें पहुंचे। इसके लिए लगभग संपूर्ण क्षेत्र में सड़क संपर्क स्थापित हो चुका है।

श्री देवनानी द्वारा ग्राम बोराज स्थित रावत नगर में विधायक कोष 2025-26 के अंतर्गत 16.70 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया गया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इससे स्थानीय निवासियों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा। सामुदायिक भवन एकता, सहयोग और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह भवन स्थानीय निवासियों के लिए विवाह समारोह, सभा, प्रशिक्षण शिविर एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के कर कमलों से वार्ड संख्या 80 चौधरी कॉलोनी में 3.62 करोड़ रुपए की लागत से वृहद नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। श्री देवनानी ने कहा कि झूलेलाल, शिव सागर एवं चौधरी कॉलोनी के निवासी लंबे समय से वर्षा के दौरान जलभराव से परेशान रहे हैं। यह नाला लगभग एक किलोमीटर लंबा होगा। इससे बरसाती पानी के बहाव को सुव्यवस्थित रूप से निकाला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अजमेर में लगभग 65 करोड़ की लागत से नालों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे शहर के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। इस वार्ड में ही अब तक करोड़ों रुपए के विकास कार्य का शुभारम्भ किया जा चुका है।

श्री देवनानी ने कहा कि पेयजल की समस्या के समाधान के लिए पानी की टंकी और तीन रिजर्वायर के निर्माण की वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। इन कार्यों के पूर्ण होने से आगामी ग्रीष्मकाल में भी निरंतर जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त वरुण सागर से 3 एमएलडी पानी भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अजमेर में आगामी 25 वर्षों तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शहर के मध्य हाथीभाटा क्षेत्र में गैस आधारित जीएसएस का निर्माण किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए काजीपुरा क्षेत्र में लेपर्ड सफारी की स्थापना की जा रही है। इससे अजमेर आने वाले पर्यटकों को पर्यावरणीय पर्यटन का नया अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर सुविधाओं के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का निर्माण प्रगति पर है। साथ ही स्पीकर हेल्प डेस्क के माध्यम से रोगियों को त्वरित सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए आईटी पार्क की स्थापना की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

श्री देवनानी ने कहा कि शहर के समग्र विकास के लिए हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। नागरिक अपने क्षेत्र से संबंधित सुझाव कार्यालय को भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर का विकास निरंतर जारी रहेगा। सड़कों, नालों, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, पर्यटन और रोजगार से जुड़ी योजनाएं शहर की दिशा और दशा को बदलने का कार्य कर रही हैं। सबके साथ से एक स्वच्छ, सशक्त और सुसज्जित अजमेर का निर्माण होगा।

प्रज्ञा मेल का राष्ट्रीय कवि सम्मेलन 20 दिसंबर 2025 को होगा आयोजित

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। प्रज्ञा मेल का चतुर्थ राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक उत्सव, नई दिल्ली, में अगामी 20 दिसंबर 2025 को आयोजित होगा। इस बार पहले तीन बार में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन और सम्मान-समारोह से अनूठा रहेगा। जिसमें दिल्ली के वरिष्ठ उर्दू शायर दिलदार देहलवी और इमरान अहमद शिरकत करेंगे, तो बांग्ला की गाजियाबाद की कवित्री आलोका गोस्वामी भी आने की सूचना है। संस्कृत के प्रख्यात कवि और दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ऋषिराज पाठक भी इस वर्ष आ सकते हैं।

वहीं असम से असम साहित्य सभा के कार्यकारी अध्यक्ष और प्रख्यात कवि और दंत चिकित्सक डॉ. मृण्मयनाथ के भाग लेने की सूचना है। इसके अलावा असम की कई साहित्यिक पुरस्कारों की विजेता सह शिक्षिका एवं कवित्री दीपिका फूकन भी इसमें भाग लेंगी।

दिल्ली के हिंदी अकादमी से प्रतिष्ठित कवि और ऑपरेशन सिंदूर कवि प्रतियोगिता के प्रथम विजेता डॉ. ओंकार त्रिपाठी और उत्तरप्रदेश के युवा कवि आशीष मुरादाबादी आदि भी इस बार फिर से कविता के रंग बिखेरेंगे। ओड़िया और हिन्दी कवि रामनाथ चंद्रा की भी आने की संभावना है। इस बार साहित्य के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी धूम रहेगी। प्रख्यात एवं लोकप्रिय गायिका बबीता शर्मा इस बार प्रज्ञा मेल राष्ट्रीय बहुभाषी कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक उत्सव, 2025 को अपनी मनमोहक आवाज से गुलजार करेगी। वह स्वर्गीय जुबिन गर्ग की सहायिका भी रही है। इसके अलावा असम के बोर गीत और भारखंडे संगीत विशारद और दंत चिकित्सक डॉ. मालविका राय भी कार्यक्रम की रौनक बढ़ाएंगी। असम से ही इंद्राणी बोरा लेखारु, असिस्टेंट डायरेक्टर (जीएसटी),असम सरकार और वाइस प्रेसिडेंट, सेंट्रल कल्चरल सब कमेटी,असम साहित्य सभा भी विशेष रूप से उपस्थित होंगी।

दिल्ली से रेडिक्स ग्रुप के भरत और सुरीली गायिका खुशी भी अपना जलवा बिखेरेंगे। उत्तराखंड के भी कलाकार अपने पहाड़ी गीत संगीत से सराबोर करेंगे। वहीं निजामी ब्रदर्स भी सूफियाना रंग जमाएंगे। यहीं नहीं, उसके अलावा अन्य राज्यों के कवि, साहित्यकार और कलाकार, पत्रकारों के आने की सूचना है। अंतरराष्ट्रीय पत्रकार रत्नज्योति दत्ता कहा कि इस बार कार्यक्रम एकता और सौहार्द का वातावरण लिए हुए होगा और असम के बहुआयामी कलाकार स्वर्गीय जुबिन गर्ग को समर्पित रहेगा। इस अवसर संरक्षक सांसद कृपानाथ मल्लाह का सान्निध्य मिलेगा और संभवतः महामहिम राज्यपाल, छत्तीसगढ़ श्री रोमन डेका भी उपस्थित हो सकते हैं।

आप भी अगर कवि, साहित्यकार और कलाकार हैं तो संपर्क कर सकते हैं: (ई-मेलः mail.pragya82@gmail.com चेयरमैन, प्रज्ञा मेल।

चेयरमैन, प्रज्ञा मेल | राष्ट्रीय सलाहकार, प्रज्ञा मेल | बबीता शर्मा

कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करें और नशे के खिलाफ हो सख्त कार्रवाईः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संभाग में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के सभी आवश्यक उपाय और नशे के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती से कार्यवाही करें। जो व्यक्ति बार-बार अपराध करता है, उस पर सख्त निर्णय लें। बदमाशों को सूचीबद्ध कर उन पर निगरानी रखें। मादक पदार्थों को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जबलपुर और नरसिंहपुर की तहर अन्य जिले भी अभियान चलाकर कार्यवाही करें। पुलिस अधीक्षक अपने जिले में नियंत्रण रखें, सिवनी जैसी शर्मनाक घटनाएं कहीं न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को जबलपुर में जिला एवं पुलिस प्रशासन सहित संभागीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ को दृष्टिगत रखते हुए मरीजों को सरकारी हॉस्पिटल में ले जाना सुनिश्चित करें, कुछ ड्राईवर प्राइवेट हॉस्पिटल की ओर रुख करते हैं, अतः उन पर निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि जन सहयोग के उदाहरण प्रस्तुत करें, अच्छे समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लें, गांवों में रात्रि विश्राम करें। हाई-वे पर स्थित ढाबों में अवैध मदिरा विक्रय पर कार्यवाही करें। यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी सिविल आचरण के विरूद्ध कुछ न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि जनसुनवाई में वे स्वयं बैठें और आवेदनों का निराकरण करें। विधानसभावार विजन डॉक्यूमेंट्स के आधार पर कार्य हो। जिले का दस्तावेजीकरण हो। साहसिक एवं रोजगार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दें। उद्योग रोजगार वर्ष में समग्र रूप से औद्योगिक विकास की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, आत्मनिर्भर भारत का हिस्सा है, अतः सामाजिक समरसता का आयोजन हो और विकास की बातें करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल, 1 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस और 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती है। ऐसे अवसरों पर आयोजित कार्यक्रमों में विकास परक गतिविधियां आयोजित हों। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश में युवा वर्ग को जोड़े, खेलकूद की गतिविधियां भी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भावांतर योजना के क्रियान्वयन पर सतत नजर रखे। प्रतिबंधित दवाइयों पर और गौवंश तस्करी पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधी जिन्होंने अपराध कर संपत्ति अर्जित की है, उन पर राजसात जैसी आवश्यक कार्यवाही करें। भू-माफियों पर कार्यवाही हो, जिला बदर के आदेशों का सख्ती से पालन हो। उन्होंने समग्र विकास के लिए विकास समिति मॉडल बनाने के निर्देश भी दिये और कहा कि अच्छी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करें।

सामाजिक समरसता और सूर्योपासना का महा पर्व है छठ पूजाः प्रो शंकर कुमार मिश्र

एसबी संवाददाता

वाराणसी। श्रद्धा, भक्ति, आस्था, साधना और विश्वास का पावन पर्व छठ पूजा शनिवार से आरंभ होकर मंगलवार को प्रातः सूर्य को अर्घ्य देकर सम्पन्न होगा। यह पर्व धार्मिक महत्व के साथ साथ प्रकृति, मानवीय मूल्य और समाज में समन्वय तथा सामंजस्य स्थापित करने का भी प्रतीक है। यह बात काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शंकर कुमार मिश्र ने कही। उन्होंने बताया कि सूर्योपासना का यह पर्व व्यक्ति को नयी ऊर्जा देता है, मन और मस्तिष्क को शीतलता प्रदान करता है, शरीर निरोग और उर्जावान बनता है। छठ पूजा की उपादेयता धार्मिक, वैज्ञानिक और सामाजिक है जिसमें सूर्य देव को और छठी मैया की पूजा करके संतान की दीर्घायु, परिवार के स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है।

वैज्ञानिक रूप से यह शरीर को शुद्ध करती है, सूर्य की ऊर्जा से शरीर की कार्यक्षमता बढ़ती है और हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करती है जबकि सामाजिक रूप से यह प्रकृति का आदर, एकता, भाईचारा और परम्पराओं के महत्व को दर्शाती है। इस पर्व का उल्लेख वेद, पुराण, महाभारत, रामायण आदि धर्मग्रंथों में में मिलता है।

प्रो शंकर कुमार मिश्र

भोरे के एनडीए प्रत्याशी सुनील कुमार को जिताने के लिए मनीष शेखर ने किया अपील

संजना भारती संवाददाता

गोपालगंज। अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पशुधन विभाग, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक श्री मनीष कुमार शेखर ने शनिवार को गोपालगंज जिले के भोरे विधानसभा में जनसंपर्क कर एनडीए प्रत्याशी श्री सुनील कुमार के पक्ष में मतदान करने की अपील किया है। शेखर ने कहा कि श्री सुनील कुमार,भोरे के गौरव हैं एवं बिहार के लोकप्रिय शिक्षा मंत्री हैं। बिहार के हित में श्री सुनील कुमार को बिहार विधानसभा में पुनः जाना जरूरी है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार में बिहार तेजी से विकास कर रहा है। बिहार के विकास के लिए फिर से एनडीए सरकार का आना जरूरी है।

श्री शेखर के साथ जन सम्पर्क मे श्री रत्नेश्वरी शर्मा, कुंदन कुमार मधुकर, राजीव पांडेय, संजय कुमार शर्मा, सुधीर राय आदि साथ थे।

परमात्मा ने शरीर कर्म के लिए दिया है, सत्कर्मों से समाज की करें सेवाः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि परमात्मा ने हमें शरीर अच्छे कर्मों के लिए दिया है, यदि हमारे कर्म सत्कर्म में बदल जाएं तो समाज का कल्याण हो जाएगा। रोटरी क्लब इसी दिशा में पूरे मनोयोग से कम कर रहा है और समाज को एक नई दिशा दे रहा है, जो हम सबके लिए प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को संस्कारधानी जबलपुर में रोटरी इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा रोटरी इंटरनेशनल अवार्ड प्राप्त करने वाले रोटेरियन श्री अरुण कांत अग्रवाल एवं श्री संदीप जैन को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रोटरी क्लब की मानद सदस्यता प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां नर्मदा का उद्गम अमरकंटक से होता है और वह समुद्र में समाहित हो जाती है। मां नर्मदा ने जबलपुर को अद्भुत आशीर्वाद दिया है, इससे जबलपुर का नाम संस्कारधानी पड़ा है। मां नर्मदा के आशीर्वाद से ही जबलपुर का काला पत्थर संगमरमर में बदला जा रहा है यह केवल जबलपुर में ही संभव है। मां नर्मदा के आशीर्वाद से संस्कारधानी जबलपुर को रोटरी क्लब के लिए कार्य करने वाले महान सपूत मिले हैं, जिन्होंने अपने सामाजिक दायित्व और सेवा भाव से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्कारधानी जबलपुर का नाम रोशन किया है। रोटरी इंटरनेशनल अवार्ड पाने वाले श्री अरुण कांत अग्रवाल और श्री संदीप जैन ने जो सेवा भाव दिखाया है वह अनुकरणीय और प्रेरणादायक है।

विकास के मामलों में प्रदेश सरकार जन कल्याण की भावना से सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रही है। यह काम रोटरी जैसी संस्था पिछले 120 सालों से कर ली रही है और इसने अपने कर्मों से साबित किया है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोटरी क्लब जबलपुर को जिला एक्सीलेंस अवार्ड मिलने के लिए बधाई दी और कहा कि सेवा के क्षेत्र में रोटरी क्लब इसी तरह आगे बढ़ता रहेगा। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब निस्वार्थ भाव से सेवा के अनेक प्रकल्पों को जमीन पर उतार रहा है। संस्कारधानी जबलपुर के लिए यह गर्व की बात है कि यहां के दो रोटेरियन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। संस्कारधानी जबलपुर के रोटेरियन श्री अरुण कांत अग्रवाल को "स्वयं से परे सेवा पुरस्कार" के लिए चुना गया है पूरे विश्व में इस पुरस्कार के लिए 118 रोटेरियन का चयन किया गया है। इसी प्रकार गैर रोटेरियन क्षेत्र में श्री संदीप जैन को मानवता की सेवा में उत्कृष्टता के लिए विश्व पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार पूरे विश्व में केवल 39 लोगों को दिया गया है। संस्कारधानी जबलपुर की दो समाजसेवियों को यह पुरस्कार मिलना गर्व एवं सम्मान की बात है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री विवेक तंखा, श्रीमती सुमित्रा वाल्मिक, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जितेंद्र जामदार, विधायक श्री अखिलेश पांडे, श्री संतोष वरकड़े, श्री अखिलेश जैन और रोटरी परिवार की सभी सदस्य उपस्थित थे।

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025, सामान्य एवं पुलिस पर्यवेक्षक ने किया अंतर्राज्यीय बॉर्डर नाके का निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक सुभाश्री नंदा एवं पुलिस पर्यवेक्षक श्री गगनदीप गंभीर ने रविवार को शाहबाद क्षेत्र में अंतर्राज्यीय मार्ग पर स्थापित बॉर्डर नाका/चेक पोस्ट बेंहठा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पर्यवेक्षकों ने चेक पोस्ट पर तैनात पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से आवागमन करने वाले वाहनों की जांच प्रक्रिया, संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी तथा अवैध धन, शराब या अन्य वस्तुओं की रोकथाम के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए चेक पोस्ट पर चौकसी और सघन जांच सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर शाहबाद सीओ रिछपाल मीणा, तहसीलदार अनीता सिंह, थाना प्रभारी प्रेमसिंह मीणा तथा लाइजनिंग अधिकारी उपस्थित रहे। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत 11 नवम्बर को मतदान होना है।

निर्वाचन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं।

विधायिका और मीडिया साझा मंच पर संवाद से लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं: विधानसभा अध्यक्ष तोमर

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का प्रहरी है और जब विधायिका और मीडिया साझा मंच पर संवाद करते हैं, तब लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार केवल सूचना देने वाला नहीं है, बल्कि समाज का विचार निमार्ता है और उसकी कलम जनता और सत्ता के बीच सशक्त सेतु का काम करती है। श्री तोमर रविवार को राजधानी के होटल लेक व्यू अशोका में सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब (पब्लिक ट्रस्ट) द्वारा आयोजित मीडिया संवाद एवं दीपावली मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विधायिका एवं पत्रकारिता-लोकतंत्र के दो प्रमुख आधार स्तंभ विषय पर आयोजित कार्यशाला में नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार ने कहा कि पत्रकार सच्चाई तक पहुँचने के लिए वही मेहनत करता है, जो एक वकील तर्क जुटाने और जासूस सबूत ढूँढने में करता है। मीडिया लोकतंत्र की आवाज है और निष्पक्ष पत्रकारिता ही जन-प्रतिनिधियों को सही दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करती है। वरिष्ठ पत्रकार और ट्रस्टी श्री एन.के. सिंह ने प्रेस क्लब के स्थायी भवन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों से प्रेस क्लब सक्रिय है, लेकिन आज तक इसका कोई स्थायी भवन नहीं है। प्रमुख सचिव विधानसभा श्री अरविंद शर्मा ने पत्रकारिता को तथ्यों की तपस्या बताया और कहा कि निष्पक्ष रिपोर्टिंग ही लोकतंत्र का तापमान संतुलित रखती है। विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने पत्रकारों को समाज का आईना बताया और कहा कि उनकी निष्पक्षता लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती है। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने पत्रकारिता की पारदर्शिता और जनहित में भूमिका की सराहना की। मानव अधिकार आयोग सदस्य श्री अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारिता एक मिशन है और पत्रकार मानवाधिकारों के प्रहरी है। प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल ने कहा कि दीपावली का असली संदेश अंधकार मिटाना है और पत्रकार की कलम वह दीपक है जो विचारों के अंधकार को दूर करती है। श्री भूपेंद्र गुप्ता ने कहा लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन संवाद अनिवार्य है। मीडिया को संतुलित दृष्टिकोण पेश करना चाहिए।

प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार दास ने क्लब को पत्रकारों का परिवार बताया और कहा कि उनका उद्देश्य प्रदेश के हर जिले में पत्रकारों को साझा मंच और सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की।

हिसार में मनाया गया संत नामदेव जी महाराज राज्य स्तरीय समारोह, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की शिरकत

संत नामदेव जी का जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक-मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा संतों और महापुरुषों के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना के तहत हिसार में संत नामदेव जी महाराज राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

मुख्यमंत्री ने संत नामदेव जी को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक है। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत और असमानता को मिटाकर मानवता को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज की मांग के अनुसार प्रदेश में किसी एक सरकारी संस्थान का नाम संत नामदेव जी महाराज के नाम पर रखने की घोषणा की। इसके अलावा, समाज की विभिन्न धर्मशालाओं के रख- रखाव और सोलर पैनल लगवाने के लिए 51 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि भिवानी, पानीपत और नारनौल में समाज द्वारा जमीन के लिए आवेदन करने पर नियमानुसार भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके अलावा समाज द्वारा दी गई अन्य मांगों को संबंधित विभागों को भेजकर पूरा करवाने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत नामदेव जी हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखते थे और इसी भाव से उन्होंने समाज में फैली जातिवाद, छुआछूत और असमानता जैसी बुराइयों को मिटाने का काम किया। उन्होंने बताया कि सच्चा धर्म वही है जो मानव को मानव से जोड़े और जो दूसरों के दुःख को अपना दुःख माने। उन्होंने कहा कि संत नामदेव जी का मेहनत, भक्ति और ईमानदारी से जीवन जीने का संदेश हरियाणा की सामाजिक चेतना में भी गहराई से रचा-बसा है। हरियाणा का श्रमिक वर्ग, किसान, कारीगर, दर्जी, लोहार, और हर परिश्रमी समुदाय, संत नामदेव जी की उसी भावना को अपने कर्म में जीता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सद्भाव, सौहार्द, समान विकास, समरसता और सहिष्णुता के साथ ऐसे परिवर्तन किए हैं, जिनसे आम नागरिक का जीवन अधिक सरल, सुगम और सुरक्षित बना है। आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ती। आज हरियाणा में आम आदमी की आशाएं और आकांक्षाएं साकार हो रही हैं तथा उनके सपनों को मूर्त रूप दिया जा रहा है। राज्य सरकार संतों और महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए समर्पित है। सरकार का पहला और प्रमुख लक्ष्य समाज के सबसे गरीब व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम सभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 21वीं सदी के विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं, तब संत नामदेव जी की शिक्षाएं हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जब देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है, तो यह मंत्र भी संत परंपरा से ही प्रेरित है। उन्होंने कहा कि संत-महात्मा, गुरु और महापुरुष न केवल हमारी अमूल्य धरोहर हैं बल्कि हमारी प्रेरणा भी हैं। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को सम्भालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है इसलिए सरकार द्वारा 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य यह है कि नई पीढ़ी उनके जीवन व कार्यों से प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त करे। इस समारोह का आयोजन भी इसी योजना के तहत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुषों ने जो समानता का संदेश दिया है, उसे साकार करने के लिए सरकार ने अनेक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' के दर्शन पर चलते हुए 'अन्त्योदय' अभियान में उन परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है, जो किन्हीं कारणों से पिछड़े रह गए। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से ओबीसी आयोग ही नहीं था।

एशियन रोइंग चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक विजेता बलराज पंवार का हरविन्द्र कल्याण ने किया सम्मान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। एशियन रोइंग चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले बलराज पंवार का आज हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। यह सम्मान समारोह घरौंडा विधानसभा क्षेत्र के गांव कैमला में आयोजित हुआ, जहां भारी संख्या में ग्रामीणों व खेल प्रेमियों ने खिलाड़ी का स्वागत किया। अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि बलराज पंवार ने मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर खेल जगत में एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि बलराज जैसे खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और हरियाणा का परचम लहराया। कल्याण ने बलराज के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में वे देश के लिए और भी बड़े मुकाम हासिल करेंगे।

गौरतलब है कि कैमला गांव (घरौंडा) निवासी बलराज पंवार पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग लेने वाले भारत के एकमात्र नौकायन खिलाड़ी थे। उन्होंने पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में भाग लिया और कुल 23वां स्थान प्राप्त किया था। इससे पहले वे एशियाई और ओशनियन ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

भारतीय सेना में कार्यरत बलराज ने वर्ष 2020 से नौकायन की शुरूआत की थी और अब एशियन रोइंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर भारत को गौरवान्वित किया है।

रामधन काम्बोज सर्वसम्मति से 8वीं बार बने श्री जगदम्बा देवी पंखा दंगल कमेटी के प्रधान

21-23 नवंबर को होगा उत्तर भारत का विशाल कुश्ती दंगल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल की ऐतिहासिक श्री जगदम्बा देवी पंखा दंगल कमेटी के त्रिवार्षिक चुनाव में समाजसेवी रामधन काम्बोज को एक बार फिर सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया है। यह उनका लगातार आठवां कार्यकाल होगा। चुनाव रविवार को रामलीला मैदान स्थित राम व्यायामशाला में संपन्न हुआ।

चुनाव में चौधरी रामचंद्र उर्फ पालाराम पहलवान को उपप्रधान, मास्टर फूल सिंह को महासचिव और राजेंद्र नम्बरदार को कोषाध्यक्ष चुना गया। कमेटी के संरक्षक चौधरी रामकिशन (के.आर. सिनेमा वाले) ने चुनाव अधिकारी की भूमिका निभाई। नई कार्यकारिणी में राजेश, गोपीनाथ आर्य, कर्णवीर आर्य, ओमप्रकाश, सोमनाथ तरावड़ी, देवेंद्र काम्बोज एडवोकेट, रिंकल, अमरनाथ हेमदा, नरेंद्र जैक एडवोकेट, सतीश उर्फ काका, राकेश काम्बोज, विनोद काम्बोज, बालकिशन शर्मा और आशीष शर्मा सहित कई सदस्य शामिल किए गए।

रामधन काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष 21 से 23 नवंबर 2025 तक तीन दिवसीय उत्तर भारत का सबसे बड़ा ईनामी गुर्ज कुश्ती दंगल करनाल के रामलीला दंगल मैदान में आयोजित किया जाएगा। दंगल में देशभर के नामी पहलवानों के साथ-साथ महिला पहलवान भी हिस्सा लेंगी। विजेताओं को लाखों रुपये के नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। कोषाध्यक्ष राजेंद्र नम्बरदार ने कहा कि राम व्यायामशाला में खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं निशुल्क व निस्वार्थ भाव से दी जाती हैं। यह व्यायामशाला वर्षों से भारतीय कुश्ती परंपरा का केंद्र रही है। ऐतिहासिक रूप से, करनाल में ईनामी कुश्ती दंगल की शुरूआत पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री नवाब लियाकत अली खान के पूर्वजों ने की थी। 1947 में उनके पाकिस्तान विस्थापित होने के बाद, लाला भगत राम और अन्य समाजसेवियों ने 1948 में समिति बनाकर इस परंपरा को पुनर्जीवित किया।

मास्टर चंदगी राम, भारत केसरी मेहरदीन, हिंद केसरी जगदीश मित्र, एशियन चैंपियन करतार सिंह, ओलंपियन सुरेश पहलवान, वेद, प्रेमनाथ जैसे नाम इस अखाड़े से जुड़े रहे हैं।

राम व्यायामशाला आज भी पुराने पहलवानों के समर्पण और युवाओं के जोश से भारतीय कुश्ती परंपरा को आगे बढ़ा रही है।

नलवा विधानसभा में विकास को मिलेगी नई उड़ान, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नलवा विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि आजाद नगर में अर्बन हेल्थ सेंटर का निर्माण जल्द शुरू होगा। पनिहार चक में भूमि उपलब्ध होने पर सब हेल्थ सेंटर खोला जाएगा और आजाद नगर के एक प्राइमरी स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड किया जाएगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने यह और अन्य घोषणाएं हिसार के नलवा में आयोजित धन्यवाद रैली को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर रैली के संयोजक एवं नलवा के विधायक रणधीर पनिहार भी उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने मंगाली को सब तहसील, बालसमंद को तहसील और आदमपुर को उपमंडल दर्जा देने के

प्रस्ताव पर कहा कि राज्य सरकार ने इसके लिए एक कमेटी का गठन किया है। संबंधित आवेदन कमेटी को प्रस्तुत किए जाने पर इस मांग को पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही, सिवानी उपमंडल को भिवानी जिले से हिसार जिले में शामिल करने के लिए आवश्यक फिजिबलिटी चेक करवाने के बाद नॉर्म्स पुरे होने पर इसे हिसार जिले में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पनिहार चक में पीने के पानी की समस्या के समाधान हेतु रावलवास सब माइनर पर वॉटर पंपिंग स्टेशन के निर्माण के लिए 4.72 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे। आजाद नगर कैमरी रोड (वार्ड 18 व 19), पटेल नगर (वार्ड 16) में सीवरेज और बरसाती पानी निकासी की व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए 33 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। ओपी जिंदल माइनर का विस्तार 1.43 करोड़ रुपये से किया जाएगा, जबकि रातेरा तलवंडी खरीफ चैनल पाइपलाइन परियोजना 32.19 करोड़ रुपये की लागत से चालू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि बालसमंद बराह क्लस्टर में 33.24 लाख रुपये और पनिहार-चौधरीवास क्लस्टर में 106 करोड़ रुपये से सौर ऊर्जा आधारित माइक्रो इरिगेशन परियोजनाएँ शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान को देखते हुए 322 करोड़ रुपये की लागत से भिवानी ड्रेन की क्षमता बढ़ाने और रतेरा तलवंडी खरीफ चैनल के लिए पानी उपलब्ध कराने की परियोजना भी बनाई जाएगी। उन्होंने नलवा क्षेत्र के खालों की मरम्मत, हिसार घग्घर ड्रेन की क्षमता वृद्धि, पटरी पक्का करने और कैमरी, गंगवा, पातन, आर्य नगर, मात्रश्याम और शाहपुर के आबादी क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार ड्रेन को पक्का करने की भी घोषणा की।

बिहार में जनता बदलाव के मूड में, महागठबंधन बनेगा नई दिशा देने वाली सरकार: कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि बिहार की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर है। राज्य की जनता अब यह समझ चुकी है कि बिहार को पिछड़ेपन, बेरोजगारी और महंगाई की दलदल से निकालने के लिए एक संवेदनशील, जवाबदेह और विकासोन्मुखी सरकार की आवश्यकता है। बिहार में एक ऐसी सरकार बनेगी जो गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की आवाज बनेगी।

सांसद कुमारी सैलजा ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि महागठबंधन की सरकार का गठन बिहार की जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्षों से जनता को ऐसी सरकारें मिलीं, जिन्होंने जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के बजाय, सत्ता के स्वार्थ को प्राथमिकता दी।

भाजपा ने सत्ता बनाए रखने के लिए हर संभव हथकंडा अपनाया परंतु वह बिहार की जनता का दिल नहीं जीत पाई। आज जनता के मन में बदलाव की लहर है। यह लहर जनादेश में परिवर्तित होकर बिहार को नई दिशा देगी। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में महागठबंधन को जनता का अपार समर्थन मिलेगा। एक ऐसी सरकार बनेगी जो गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की आवाज बनेगी जो बिहार को प्रगति, शिक्षा,

स्वास्थ्य और रोजगार की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि महागठबंधन बिहार की आत्मा की आवाज है और अब यह आवाज सत्ता के गलियारों तक गूंजेगी। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी। यह बिहार का दुर्भाग्य है कि वहां की जनता को ऐसी सरकार मिली, अब जनता बदलाव चाहती है। भाजपा ने हर तरह के हथकंडे अपनाए हैं, लेकिन फिर भी वह बिहार की जनता का दिल नहीं जीत पाई है। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले चुनावों में महागठबंधन को जनता का अपार समर्थन मिलेगा और बिहार में नई दिशा देने वाली सरकार बनेगी। सांसद ने कहा कि देश के हालात को लेकर लोग चिंतित हैं। बिहार चुनाव पर सबकी नजर है। बिहार का छात्र, युवा, किसान, चिंतित है, युवा रोजगार चाहता है, सच तो ये है कि बिहार की जनता अब बदलाव चाहती हैं।

23 नवंबर को हिसार में होगा ओबीसी बिग्रेड का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन: राजेंद्र तंवर

संजना भारती संवाददाता

असंध। आगामी 23 नवंबर को हिसार के कबीर छात्रावास में ओबीसी ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। क्लास-1 व क्लास-2 में जो आरक्षण अधूरा है, उसको तुरंत प्रभाव से हरियाणा में 27 प्रतिशत किया जाए और पिछड़ा वर्ग को सत्ता में उनकी संख्या के हिसाब भागीदारी दी जाए।

उपरोक्त विचार ओबीसी बिग्रेड के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पिछड़ा वर्ग के लोगों को सम्मेलन का न्यौता देने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे। तंवर ने कहा कि सम्मेलन में पिछड़े वर्ग की लंबित मांगों पर चर्चा की जाएगी। ओबीसी बिग्रेड के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र तंवर ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस ने टिकटों के बंटवारे में पिछड़ा वर्ग-ए की अनदेखी की है। पिछड़ा वर्ग-ए को उनकी संख्या के हिसाब से भी टिकटे नहीं मिल रही। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग को सत्ता में उनकी संख्या के हिसाब से भागीदारी नहीं मिली तो बड़ा आन्दोलन किया जाएगा। तंवर ने प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पिछड़ा वर्ग के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।

इस अवसर पर प्रदेश संगठन प्रमुख रामकुमार प्रजापति, फाउंडर मेंबर उदय चंद फौजी, रवि सहित अन्य मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को बदनाम करने की रची जा रही साजिश: सुनील कौशिक

संजना भारती संवाददाता

असंध। प्रदेशाध्यक्ष बनते ही राव नरेंद्र सिंह ने कांग्रेस को और अधिक मजबूत करने का काम किया है। कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट और अनुशासित पार्टी है। कांग्रेस के बढ़ते कदमों व मजबूती से डरी भाजपा सरकार ने इनेलो को डाल बनाकर 12 साल पुराने मामले को एक बार फिर से उखाड़कर कांगेस प्रदेश राव नरेंद्र सिंह को बदनाम करने की साजिश रचने का काम किया है।

उपरोक्त विचार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील कौशिक अरडाना ने जारी एक बयान में कहे। उन्होंने कहा कि भाजपा षड्यंत्र रचकर अपनी मजबूत विपक्षी पार्टी कांग्रेस को दबाने का प्रयास करती आ रही है, लेकिन कांग्रेस की बढ़ती लोकप्रियता और मजबूत जनाधार भाजपा

के मंसूबों को कभी पूरा नहीं होने देगा। सुनील कौशिक अरडाना ने कहा कांग्रेस ने हमेशा ही सोच किसानों मजदूरों व आम जनता की लड़ाई लड़ी है।

राव नरेंद्र सिंह व भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में प्रदेश में जनता की आवाज मजबूती के साथ उठाई जाएगी और कांग्रेस संगठन भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने कार्यकाल के दौरान कांग्रेस सरकार में हरियाणा में विकास के कार्य किए। जनता की आवाज को मजबूती से उठाने वाला नेतृत्व भूपेंद्र सिंह हुड्डा के रूप में मिला है। विधानसभा में वे जनता की आवाज को मजबूती से उठाते हुए उनके हको के लिए आवाज उठाएगें।

राव नरेंद्र सिंह एक ईमानदार और जनप्रिय नेता है, जिसकी लोकप्रियता से घबराकर विरोधी दल राजनीतिक षडयंत्र रच रहे है। उन्होंने कहा कांग्रेस सत्य और न्याय की राह पर चलने वाली पार्टी है जो हर हाल में आम जनता की आवाज बनकर खड़ी रहेगी और जनता अब इन साजिशों को समझ चुकी है। प्रदेश में आने वला समय कांग्रेस का होगा।

मुख्यमंत्री ने हिसार में 'मन की बात' कार्यक्रम सुना

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस वर्ष के त्यौहार अधिक उत्साह और उद्देश्य के साथ मनाए गए, क्योंकि लोगों ने पर्यावरण-अनुकूल उत्सवों को अपनाया और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया। इस प्रकार, सभी के सामूहिक प्रयासों से, विकसित भारत 2047 का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। उन्होंने छठ महापर्व के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज हिसार में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुन रहे थे। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गगवा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री के संबोधन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 अक्तूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती है जो एक राष्ट्रीय प्रतीक थे, जिन्होंने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों, विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे इस दिन देशभर में आयोजित होने वाली रन फॉर यूनिटी में सक्रिय रूप से भाग लें। यह सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री ने आज के मन की बात कार्यक्रम में उल्लेख किया है, 7 नवंबर, 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होंगे, जिसकी रचना 150 वर्ष पहले हुई थी और जिसे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में गाया था। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को को गर्व के साथ मनाया जाना चाहिए और इसे भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी प्रेरणा के रूप में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री हर महीने करोड़ों लोगों से जुड़ते हैं और पूरे भारत से आई हुई प्रेरक कहानियाँ साझा करते हैं।

राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष मृतक एएसआई संदीप कुमार लाठर के घर जुलाना पहुंचे व परिजनों से की मुलाकात

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चण्डीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने हाल ही में दिवंगत हुए एएसआई संदीप कुमार लाठर के निवास जुलाना पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। राज्यपाल ने संदीप कुमार लाठर की माता श्रीमती इंद्रावती, पत्नी श्रीमती संतोष, पुत्र विहान, पुत्री रूपक और अन्य परिजनों को सांत्वना दी तथा इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की अपील की। राज्यपाल ने इस अवसर पर मृतक के बच्चों की शिक्षा के लिए अढ़ाई लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का मुखिया होने के नाते दिवंगत संदीप के देहांत से उन्हें व्यक्तिगत तौर पर भी गहरा आघात पहुंचा है, क्योंकि संदीप जैसे अधिकारी राज्य की सेवा भावना के प्रतीक होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि संदीप कुमार लाठर के निधन से समाज ने एक कर्मठ, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति को खो दिया है। पुलिस विभाग को भी उनके जाने से अपूरणीय क्षति हुई है।